जाकी गति है हनुमान की

जाकी गति है हनुमान की ।
ताके मन मह बसत हैं,
श्री राम लखन अरु जानकी ॥

1. हनुमत कृपा तुम्हारी होवे,
फिकर नहीं यमबान की ।

2. मेरे उर के बंधन काटे,
रक्षा की निजमान की ।

3. भवसागर में उलझी तूने,
हर मुश्किल आसान की ।

4. सच्चा मय हो जीवन सारा,
दो शक्ति गुणगान की ।

5. मेरे भीतर रमे राम की,
तुनें ही पहचान की ।

6. मैं तेरी बहना तू मेरा दादा ,
लाज रखो इस आन की ।

स्वर÷ परम पूज्या संत करुणामयी गुरु माँ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1613/title/jaki-gati-hai-hanuman-ki-take-man-mah-basat-hai-shree-ram-lakahan-aur-jaanki

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |